दीक्षांत समारोह में छात्रों को मिला रोजगारदाता बनने का मंत्र

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह संपन्न

देहरादून, 10 अक्तूबर (ब्यूरो): वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह मंगलवार को संपन्न हुआ। अधिकांश वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को नौकरी के पीछे भागने के बजाए रोजगार-दाता की भूमिका निभाने की सलाह दी।

पदक हासिल करने में लड़कियों ने मारी बाजी

उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रों को पदक से सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

दीक्षांत समारोह में इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ को डी.लिट की तथा आईआईटी कानपुर के रिटायर्ड प्रोफेसर पदमश्री प्राप्त डा. एचसी वर्मा को डीएससी की मानद उपाधि दी गई। एस सोमनाथ कार्यक्रम में वर्चुअली उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में 59 पीएचडी शोधार्थियों को डिग्री दी गई। इसके अलावा 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण व 51 को रजत पदक से सम्मानित किया गया। पदक विजेताओं में लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक है। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान की ईसीई ब्रांच की छात्रा हर्षिता शर्मा ने विश्वविद्यालय टॉप किया। उन्हें ''श्रीमती विनोद देवी अग्रवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल'' से भी सम्मानित किया गया।

इस वर्ष से हुए कई सकारात्मक बदलाव

- विश्वविद्यालय ने अंग्रेजी और हिन्दी के साथ ही संस्कृत भाषा में भी उपाधियां व डिग्रियां अंकित करनी शुरू की है।
- परीक्षा केन्द्रों तक डिजिटल रूप मे भेजा जा रहा है प्रश्न-पत्र
- फर्जीवाड़े से बचने के लिए डिग्री तथा मार्कशीट को अधिक फूलप्रूफ बनाया है।
- डिग्री तथा मार्कशीट की प्रिंटिंग विश्वविद्यालय में ही शुरू

विश्वविद्यालय मुख्यालय में आयोजित समारोह में कुलाधिपति-राज्यपाल ले जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने आज से विद्यार्थियों के जीवन में नयी संभावनाओं के नए द्वार खुल गये हैं, जिसमें विश्वविद्यालय और संस्थानों ने ज्ञान और कौशल सम्पन्न बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जॉब-क्रिएटर बनने पर ध्यान केन्द्रित करना है। इसी विषय पर तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि छात्रों को रोजगार तलाशने की बजाय स्वरोजगार के अवसरों को अपनाने तथा दूसरों को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के प्रयास करने चाहिए।

कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा छात्र-छात्राओं को अग्रगामी सोच, समय प्रबन्धन के साथ कठिन परिश्रम, लक्ष्यों का निर्धारण करने की सलाह दी। कार्यक्रम को प्रो. एचसी वर्मा, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, कुलसचिव प्रो. सत्येन्द्र सिंह ने भी संबोधित किया।

इस दौरान अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिग, कुलसचिव, निजी संस्थानों के अध्यक्ष-निदेशक, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी ब्रह्मकमल टोपी पहनकर शामिल हुए।